पत्र सूचना शाखा
(मुख्यमंत्री सूचना परिसर)
सूचना एवं जन सम्पर्क विभाग, उ0प्र0

मुख्यमंत्री ने जनपद चित्रकूट में 951 करोड़ रु0 लागत की 124 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया

यह परियोजनाएँ विधान सभा चित्रकूट एवं मानिकपुर के विकास से सम्बन्धित

चित्रकूट भारत की पौराणिक एवं आध्यात्मिक विरासत का प्रतीक, आज के विकसित चित्रकूट में दुनिया को अपनी ओर आकर्षित करने की सामर्थ्य : मुख्यमंत्री

डबल इंजन सरकार प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में विकास के कार्यों को तेज गति से आगे बढ़ा रही

चित्रकूट विकास के पथ पर अग्रसर, प्रदेश सरकार मंदाकिनी नदी, चित्रकूट के पवित्र स्थलों, महर्षि वाल्मीकि और सन्त तुलसीदास जन्मभूमि का सौन्दर्यीकरण करा रही

जनपद में डिफेन्स कॉरिडोर का निर्माण किया गया, शस्त्र और शास्त्र दोनों के संधान का केन्द्र चित्रकूट बनेगा

चित्रकूट की ऊंची पहाड़ी पर एयरपोर्ट का निर्माण किया गया, शीघ्र ही इस जनपद को वायुसेवा के माध्यम से दिल्ली और लखनऊ से जोड़ा जाएगा

बुन्देलखण्ड एक्सप्रेस–वे बुन्देलखण्ड की लाइफ–लाइन बना

जगतगुरु रामभद्राचार्य दिव्यांग विश्वविद्यालय को राज्य विश्वविद्यालय का दर्जा प्रदान किया गया

चित्रकूट को आध्यात्मिक व ईको–टूरिज्म के नए केन्द्र के रूप में विकसित किया जा रहा, रानीपुर टाइगर रिजर्व को आगे बढ़ाने का कार्य प्रारम्भ किया गया

विकसित चित्रकूट की परिकल्पना को साकार करने के लिए यहां की आध्यात्मिक, सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करते हुए भौतिक विकास के मार्ग पर भी हमें मजबूती के साथ आगे बढ़ना होगा

प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में नया भारत नये तरीके से मजबूती के साथ आगे बढ़ रहा

लखनऊ : 08 जुलाई, 2026

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने कहा कि जनपद चित्रकूट भारत की पौराणिक एवं आध्यात्मिक विरासत का प्रतीक है। मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम ने अपने वनवास का सर्वाधिक समय चित्रकूट में व्यतीत किया था। इसी धरा पर महर्षि वाल्मीकि ने अपना आश्रम बनाया तथा संत तुलसी दास जी ने जन्म लिया था। श्रद्धालुजन कामदगिरी पर्वत की परिक्रमा कर पुण्य के भागीदार बनते हैं। यहां माँ मन्दाकिनी की कृपा प्राप्त होती है। गुप्त गोदावरी, सती अनुसूइया आश्रम सहित अन्य आध्यात्मिक केन्द्र अपनी ऊर्जा से जनपद व प्रदेश को लाभान्वित करते हैं। हजारों वर्ष पूर्व भगवान श्रीराम ने यहां पर साधना की थी, जिसके फलस्वरूप सम्पूर्ण भारत सुरक्षित हुआ था।

मुख्यमंत्री जी आज जनपद चित्रकूट में 951 करोड़ रुपये लागत की 124 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास करने के उपरान्त आयोजित कार्यक्रम में अपने विचार व्यक्त कर रहे थे। यह परियोजनाएँ विधान सभा चित्रकूट एवं मानिकपुर के विकास से सम्बन्धित हैं। उन्होंने विभिन्न विभागों की योजनाओं के लाभार्थियों को प्रतीकात्मक चेक एवं प्रशस्ति पत्र, स्मार्ट फोन तथा आवास की प्रतीकात्मक चाभी वितरण किया। इस अवसर पर जनपद के विकास कार्यों से सम्बन्धित एक लघु फिल्म भी प्रदर्शित की गयी।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि हमारे पूर्वजों ने चित्रकूट में प्रभु श्रीराम के प्रति जो योगदान दिया था, उसके प्रति कृतज्ञता ज्ञापित करते हुए आज जनपद में 950 करोड़ रुपये से अधिक लागत की विकास परियोजनाओं का लोकार्पण तथा शिलान्यास किया जा रहा है। जनपद चित्रकूट ने प्रभु श्रीराम के संकट के समय आश्रय प्रदान किया था। महर्षि वाल्मीकि की आज्ञा से प्रभु श्रीराम चित्रकूट आये। लगभग 12 वर्ष प्रभु श्रीराम ने यहां व्यतीत किये। यहां कोल, वनवासियों, ऋषि–मुनियों के साथ 12 वर्ष व्यतीत करने के उपरान्त प्रभु श्रीराम ने दक्षिण की ओर रुख किया था। यहीं से दण्डकारण वन में प्रवेश किया तथा पंचवटी में माता सीता का अपहरण हो गया था। प्रभु श्रीराम ने सेतु बन्ध का निर्माण कर लंका पर चढ़ायी की थी। रामायण की यह गाथा आज हम सभी को प्रेरणा प्रदान करती है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि आज के विकसित चित्रकूट में दुनिया को अपनी ओर आकर्षित करने की सामर्थ्य है। यह सामर्थ्य पहले भी सम्भव थी, लेकिन पिछली सरकारों ने चित्रकूट के समक्ष पहचान का संकट खड़ा कर दिया था। आजादी के बाद यह जनपद उपेक्षित हो गया था। वर्ष 2017 से पूर्व यहां अव्यवस्था की स्थिति थी। लोग भय के कारण नहीं आते थे। परिवहन की व्यवस्था नहीं थी। महर्षि वाल्मीकि का आश्रम अव्यवस्थित था। राजापुर में कोई विकास कार्य नहीं हुआ था।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि आज चित्रकूट विकास के पथ पर अग्रसर है। प्रदेश सरकार मंदाकिनी नदी, चित्रकूट के पवित्र स्थलों, महर्षि वाल्मीकि और सन्त तुलसीदास जी की जन्मभूमि का सौन्दर्यीकरण करा रही है। चित्रकूट की ऊंची पहाड़ी पर एयरपोर्ट का निर्माण किया गया है। शीघ्र ही इस जनपद को वायुसेवा के माध्यम से दिल्ली और लखनऊ से जोड़ा जाएगा। बुन्देलखण्ड एक्सप्रेस–वे बुन्देलखण्ड की लाइफ–लाइन बनी है। भरतकूप से आगे का निर्माण कार्य भी युद्धस्तर पर किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि जनपद में डिफेन्स कॉरिडोर का निर्माण किया गया है। शीघ्र ही यहां पर बड़े निवेश किये जाएंगे। आज डिफेन्स मैन्युफैक्चरिंग के क्षेत्र में उत्तर प्रदेश एक ताकत है। कल प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में भारत ने इण्डोनेशिया के साथ जो समझौते किये हैं, उसमें उत्तर प्रदेश में बनने वाली ब्रह्मोस मिसाइल का भी निर्यात किया जाएगा। यह भारत की डिफेन्स मैन्युफैक्चरिंग के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता का

उदाहरण है। यह भारत की निर्यात की ताकत को दर्शाता है। रक्षा सेनाओं के पास देश में ही बने अस्त्र–शस्त्र होंगे। 'शस्त्रेण रक्षिते राष्ट्रे शास्त्र चिंता प्रवर्तते' अर्थात शस्त्र से रक्षित राष्ट्र में ही शास्त्र चिन्तन सम्भव है। शस्त्र और शास्त्र दोनों के संधान का केन्द्र चित्रकूट बनेगा।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा चित्रकूट स्थित जगतगुरु रामभद्राचार्य दिव्यांग विश्वविद्यालय को राज्य विश्वविद्यालय का दर्जा प्रदान किया गया है। अब यह विश्वविद्यालय विकास की गति को बढ़ाएगा। अब चित्रकूट में वह सब कुछ है, जिसका हजारों वर्षों से इन्तजार था। डॉ0 राम मनोहर लोहिया के कारण कभी चित्रकूट और प्रदेश के तमाम अन्य भागों में रामायण मेलों का शुभारम्भ हुआ था। पूर्ववर्ती सरकार ने रामायण मेले से दूरी बना ली थी। भगवान श्रीराम व भगवान श्रीकृष्ण के प्रति भी उनकी आस्था नहीं थी। वह सनातन व विरासत का सम्मान नहीं करते थे।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में डबल इंजन सरकार 'सबका साथ–सबका विकास' के भाव के साथ कार्य कर रही है। आज विकास प्रत्येक क्षेत्र में देखने को मिल रहा है। गरीब, किसान, नौजवान, महिलाएं तथा प्रत्येक तबके के व्यक्ति के लिए कुछ न कुछ सुविधाएं उपलब्ध करायी जा रही हैं। प्रत्येक पात्र को निःशुल्क राशन, आवास, शौचालय, निःशुल्क विद्युत कनेक्शन, रसोई गैस तथा आयुष्मान भारत योजना के माध्यम से 05 लाख रुपये का स्वास्थ्य बीमा कवर की सुविधा प्रदान की जा रही है। अन्नदाता किसानों को फसल बीमा योजना, प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना तथा प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि का लाभ मिल रहा है। यह पहले नहीं मिलता था। आज अन्नदाता किसानों की उपज का क्रय किया जा रहा है। महिलाओं को आर्थिक स्वावलम्बन के पथ पर अग्रसर करने का कार्य किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि डबल इंजन सरकार प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में विकास के कार्यों को तेज गति से आगे बढ़ा रही है। युवाओं को रोजगार दिया जा रहा है। बिना भेदभाव 09 लाख युवाओं को सरकारी नौकरी प्रदान की गयी है। आज जब कोई भर्ती निकलती है, तो उसमें चित्रकूट के युवा का भी सिलेक्शन होता है। अब यहां का वातावरण निवेश अनुकूल है। यहां 04–लेन की सड़कें हैं। आज एक सुन्दर चित्रकूट हम सभी देखने को मिल रहा है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि चित्रकूट को पर्यटन के नए केन्द्र के रूप विकसित किया जा रहा है। यहां आध्यात्मिक टूरिज्म पहले से था। अब इसे ईको–टूरिज्म के एक नए केन्द्र के रूप में विकसित कर रहे हैं। यहां पर रानीपुर टाइगर रिजर्व को आगे बढ़ाने का कार्य प्रारम्भ किया गया है। विकास की प्रक्रियाएं जब एक साथ जुड़ती हैं और इनकी स्पीड जितनी अच्छी होती है, प्रगति उतनी ही तेज होती है, और जब प्रगति होगी, तो समृद्धि को कोई रोक नहीं सकता है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान के अन्तर्गत युवा उद्यमी बन रहे हैं। यह युवा स्वावलम्बन के प्रतीक बन रहे हैं। सरकार की योजनाओं का लाभ लेकर यह विकास की प्रक्रिया के साथ जुड़ रहे हैं। यह युवा दूसरे नौजवानों को रोजगार देने की सामर्थ्य भी विकसित कर रहे हैं। विकास की इस प्रक्रिया में ही सबका उत्थान है। तभी हम आने वाले भविष्य को सुरक्षित कर पाएंगे। जो लोग समाज को जाति, क्षेत्र एवं भाषा के नाम पर बांट रहे हैं, वह देश के सबसे बड़े दुश्मन हैं। यह वही लोग हैं जिनके पास विकास की कोई सोच नहीं है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि आज भारत विकास की जिस यात्रा के साथ आगे बढ़ा है, हम सभी उस यात्रा में सहभागी बने। प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में नया भारत नये तरीके से मजबूती के साथ आगे बढ़ रहा है। बिना रुके, बिना डिगे, बिना थके यह प्रक्रिया आगे बढ़ रही है। उस प्रगति की यात्रा में सहभागी बनना हमारा सबसे बड़ा कर्तव्य है। इसी में हमारा वर्तमान और आने वाली पीढ़ी का भविष्य सुरक्षित है। भावी पीढ़ी के सुरक्षित भविष्य के लिए चित्रकूट जनपद को भी सहभागी बनना पड़ेगा। हम विकास की प्रक्रिया में बराबर के भागीदार बनेंगे। हमें आध्यात्मिक और सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करने के साथ ही भौतिक विकास के पायदान पर मजबूती के साथ आगे बढ़ना होगा।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि आज अयोध्या तथा प्रभु श्रीराम की विरासत को बदनाम करने की साजिश की जा रही है। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र न्यास की सिफारिश पर राज्य सरकार ने एक उच्चस्तरीय एस0आई0टी0 टीम गठित की। एस0आई0टी0 की प्रारम्भिक जांच में 06 लोग दोषी पाए गए। ट्रस्ट ने इन लोगों के खिलाफ एफ0आई0आर0 दर्ज करवायी है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि वर्ष 2017 से पूर्व प्रदेश की कानून–व्यवस्था बहुत खराब थी। प्रदेश में अराजकता का माहौल था। गरीबों तथा व्यापारियों की जमीनों पर कब्जा किया जाता था। हमारी सरकार ने 64,000 एकड़ भूमि को अवैध कब्जे से मुक्त कराया। उसी भूमि पर आज निवेश हो रहा है। नए विश्वविद्यालय, मेडिकल कॉलेज बनाये जा रहे हैं। युवाओं को नौकरी और रोजगार प्राप्त हो रहा है। विकास और विरासत की यात्रा आगे बढ़ने से नौजवानों को नये अवसर प्राप्त होंगे।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि प्रधानमंत्री जी ने देशवासियों से कहा है कि हमें वर्ष 2047 में विकसित भारत की स्थापना करनी है। विकसित भारत का मतलब विकसित उत्तर प्रदेश और विकसित उत्तर प्रदेश का मतलब है, विकसित चित्रकूट। विकसित चित्रकूट की परिकल्पना को साकार करने के लिए यहां की आध्यात्मिक विरासत को संजोए रखना है। यहां की सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करते हुए भौतिक विकास के मार्ग पर भी हमें मजबूती के साथ आगे बढ़ना होगा।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि आज यहां मऊ–सराय–अकिल मार्ग स्थित महिलाघाट पर यमुना नदी सेतु का निर्माण, बाँदा–बिसण्डा–ओरन–नादी–भौरी मार्ग का चौड़ीकरण एवं सुदृढ़ीकरण कार्य, मंदाकिनी नदी, बाण गंगा नदी, बरदाहा नदी और वाल्मीकि नदी पर सेतु पहुंच मार्ग तथा अतिरिक्त पहुंच मार्ग पर सुरक्षात्मक कार्य सहित भूमि अधिग्रह से सम्बन्धित कार्यों का लोकार्पण आज किया गया। इसके अलावा, अर्बन उद्यमिता प्रशिक्षण विकास केन्द्र मऊ और नवीन संकेत जूनियर हाईस्कूल का लोकार्पण कार्य हुआ है। तहसील राजापुर में तुलसी स्मारक उपवन, तहसील मानिकपुर में शोभन सरकार और रामघाट के पास पर्यटन चौराहे के पर्यटन विकास कार्य का लोकार्पण भी किया गया है। कामदगिरि परिक्रमा मार्ग, सोमनाथ शिव मन्दिर का पर्यटन विकास कार्य और औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान शिवरामपुर एवं औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान मानिकपुर की आधुनिक कार्यशाला और प्रशिक्षण कक्ष के लोकार्पण का कार्य भी सम्पन्न हुआ है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि स्पोर्ट्स स्टेडियम में सिंथेटिक रनिंग ट्रैक के निर्माण कार्यों का शिलान्यास किया गया है। कर्वी–बूढ़ा–राजापुर मार्ग का चौड़ीकरण व सुदृढ़ीकरण का शिलान्यास कार्य भी सम्पन्न हुआ है। राजकीय इण्टर कॉलेज बड़ी मड़ैयन, नवीन राजकीय हाई स्कूल सेमरिया जगन्नाथ वासी, नवीन राजकीय हाईस्कूल कौबरा (मानिकपुर) और उच्चीकृत इण्टरमीडिएट कॉलेज चांदी (राजापुर), राजकीय हाई स्कूल भैसौंधा (शिवरामपुर), नवीन समेकित विशेष माध्यमिक विद्यालय और मानिकपुर में मुख्यमंत्री मॉडल कम्पोजिट विद्यालय के निर्माण कार्य का भी आज शिलान्यास किया गया है। इसके अलावा, कृषि विज्ञान केन्द्र गनीबा में कृषक आवास माइक्रोबायोलॉजी प्रयोगशाला और बायोपेस्टिसाइड प्रयोगशाला के निर्माण कार्य का भी शिलान्यास हुआ है। रामघाट एवं कामदगिरी परिक्रमा मार्ग पर पर्यटन विकास कार्य का शिलान्यास भी हो रहा है। देवांगना घाटी के पर्यटन विकास के कार्य, मानिकपुर में ईको–टूरिज्म पर आधारित थीम पार्क और ईको–टूरिज्म रानीपुर टाइगर रिजर्व के पास ईको–टूरिज्म के विकास कार्यों का भी शिलान्यास किया गया है।

इस अवसर पर लोक निर्माण राज्यमंत्री श्री बृजेश सिंह, विधान परिषद सदस्य श्री जितेन्द्र सिंह सेंगर, श्री बाबू लाल तिवारी, विधायक श्री अविनाश चन्द्र द्विवेदी सहित अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

————————

PN-CM-Chitrakoot Visit-Lokarpan & Shilanyas-08 July, 2026